www.esamaad.com

समाद

मैथिली भाषा मे पहिल ई-पेपर

पटना, 28 नवंबर, 2009 • अंक-30 • वर्ष-2

आलोचना लेल रचना जरूरी अछि : आचार्य रमानाथ झा

फाइनल रिपोर्ट कार्ड छह माह बाद

नीतीश सरकार क चारि साल पूरा, वर्षगांठ पर कइ टा घोषणा

- 117 पुल आ 2019 किलोमीटर सड़क क लोकार्पण
- प्रथम श्रेणी स पास करैवाली छात्रा कए भेटत 10-10 हजार टका पुरस्कार
- रबी क मौसम मे सिंचाई क लेल सब्सिडी देबाक एलान

पटना। बिहार मे राजग सरकार क चारि वर्ष पूरा भ गेल। एहि मौका पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलदिन अपन सरकार क रिपोर्ट कार्ड जारी केलथि। ओ एहि मौका पर कईटा घोषणा सेहो केलथि।

रिपोर्ट कार्ड जारी करैत मुख्यमंत्री कहला जे बिहार मे कईटा ऐतिहासिक आ धार्मिक स्थल अछि, जेकर विकास कैल जा रहल अछि। पटना मे जल्द एकटा विश्वस्तरीय संग्रहालय क स्थापना कैल जाइत। ओ कहलथि जे बिहार मे शिक्षा क स्तर काफी ऊंच उठल अछि। ओ प्रथम श्रेणी स पास करैवाली सबटा लड़की कए 10-10 हजार टका पुरस्कार देबाक ऐलान केलथि अछि।

मुख्यमंत्री कृषक के सेहो रबी क मौसम मे सिंचाई क लेल सब्सिडी देबाक एलान केलथि। ओ कहला जे रबी क मौसम मे कृषक कए डीजल मे प्रति लीटर 15 टकाक सब्सिडी देल जाइत।

हिन्दी, अंग्रेजी आ उर्दू मे जारी भेल अई रिपोर्ट मे मुख्य रूप स सरकार द्वारा पिछला चारि वर्ष मे कैल गेल काज आ विकास योजना क जानकारी देल गेल अछि। संगहि आगामी किछु दिन मे कैल जाइवाला काजक उल्लेख सेहो अछि। नीतीश कुमार कहला जे आब बिहारी कए बिहारी कहाबै मे अपमान महसूस नहि होइत अछि। उओ कहला जे ओना त राज्य मे अपराध क ग्राफ कम भेल अछि, मुदा अगर आपराधिक घटना होइत अछि, त ओहि पर कार्रवाई सेहो होइत अछि।

कुमार कहला जे पिछला चारि साल मे एहि ठाम सांप्रदायिक सौहार्द क माहौल कायम अछि। ओ कहला जे भ्रष्टाचार क मुद्दा पर काफी किछु कैल जा रहल अछि, मुदा एखनो बहुत किछु करब बाकी अछि। ओ कहला जे हुनकर सरकार अपन पिछला तीन वर्षगांठ क मौका पर सेहो रिपोर्ट कार्ड जारी केने छलाहुं आ अगिला छह माह क बाद सेहो रिपोर्ट कार्ड जारी कैल जाइत। एहि मौका पर मुख्यमंत्री 117 पुल आ 2019 किलोमीटर सड़क क लोकार्पण सेहो केलथि।

सिटी ऑफ पार्क क उद्घाटन

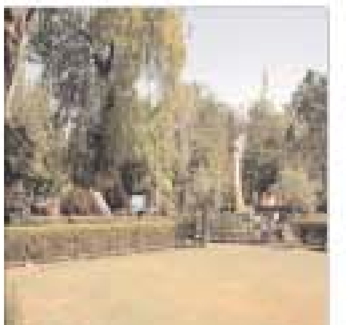

पटना । मुख्यमंत्री सिटी ऑफ पार्क क रूप मे पटना क पहचान दुनिया मे बनाबाक घोषणा पिछला साल केने छलाह। तखन 26टा पार्क क सौंदर्यीकरण क लेल करीब 15 करोड़ टका आवंटित भेल छल। एक साल बाद उप-मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी एहि योजना क उद्घाटन बुधबार दिन राजेन्द्र नगर मे अपन आवास क सामने स्थित पार्क मे केलाह। एकर बाद कंकड़बाग मे शिवाजी पार्क, डिफेंस कालोनी पार्क, मैकडवेल पार्क सहित अन्य योजना कए समय पर जनता कए समर्पित कराबा लेल तैयारी चलि रहल अछि। बताउल जा रहल अछि जे 26 पार्क म स 18टा पूर्णता क स्थिति मे अछि। एहि तरहे गंगा घाट आ कई टा सड़क बनिकए तैयार भ चुकल अछि। मालूम हुए जे सरकार स मुख्यमंत्री शहरी आ नगर विकास योजना क तहत पटना जिला कए करीब 194 योजना क स्वीकृति पिछला वर्ष भेटल छल मिली। ओहि मे सड़क, रोशनी, नाला निर्माण क 163 योजना शामिल अछि। शेष 31 योजना तालाब, गंगा घाट, पार्क क सौंदर्यीकरण स जुड़ल अछि।

दू वर्ष मे पूरा भ जाइत एसएच क आधा दर्जन सड़क

पटना। बिहार स्टेट हाइवे प्रोजेक्ट क तहत फेज-1 क आधा दर्जन टा सड़क क निर्माण 2011 तक पूरा भ जाइत। फेज-1 क तहत नौ टा राज्य उच्च पथ क निर्माण कराउल जा रहल अछि। 820 किमी क एहि परियोजना पर 1936.264 करोड़ टका खर्च होइत।

पथ निर्माण मंत्री डॉ. प्रेम कुमार कहला जे शिवगंज-रफीगंज-गोह-उपहारा पथ (एसएच-68), जे 78 किमी अछि, क निर्माण क लेल जुलाई, 2009 मे एकरारनामा कएल गेल छल। एहि पर 168.52 करोड़ टका खर्च होबाक अछि। इ सड़क क लेल संवेदक कए मोबलाइजेशन एडवांस देल जा चुकल अछि। संवेदक कए दिसंबर, 09 क प्रथम सप्ताह स काज करबाक निर्देश देल गेल अछि। एहि श्रेणी मे सिवान-बसंतपुर-मशरख-अमनौर-शीतलपुर पथ (एसएच-73) सेहो अछि। 88 किमी क एहि सड़क पर 229.40 करोड़ टका खर्च होबाक अछि। दूनू सड़क क निर्माण 2012 तक पूरा करबाक लक्ष्य निर्धारित कएल गेल अछि। एसएच -75, दरभंगा-कमतौल-साहरघाट पथ क संबंध मे बताउल गेल जे एकरा लेल सेहो संवेदक कए मोबलाइजेशन एडवांस द देल गेल अछि। 156.64 करोड़ टका क लागत स 47 किमी क इ परियोजना जुलाई, 2011 मे पूरा भ जाइत।

मॉल क भांति विकसित होएत दीघा रेलवे स्टेशन

64 टा शहर मे विकसित होइत रेलवे स्टेशन

नई दिल्ली। दीघा मे बनाउल जा रहल रेलवे स्टेशन मॉल क भांति विकसित कएल जाइत। दीघा स्टेशन बनला स राजेंद्रनगर आ पटना रेलवे स्टेशन क भार कम होएत आ यात्री क सेहो सहूलियत होएत। मालूम हुए जे मिथिला स पटना कए जोड़बा लेल गंगा पर बनि रहल रेल सह सड़क पुल एहि स्टेशन कए बनबा स पूर्व चालू भ जाइत। रेलवे मंत्रालय देश क 64 टा शहर क रेलवे स्टेशन क सूरत बदलबाक फैसला केलक अछि। एहि रेलवे स्टेशन कए मॉल तरहक विकसित कएल जाइत। एहि ठाम यात्री क ठहरबाक लेल कम किराया वाला होटल होइत आ पार्किंग क सेहो पर्याप्त जगह होइत। तरह-तरह क स्टोर होइत त जलपान क सेहो उत्तम व्यवस्था मौजूद रहत। एहि योजना पर रेल मंत्रालय करीब 500 करोड़ टका खर्च करै जा रहल अछि।

रेलमंत्री ममता बनर्जी लोकसभा मे प्रश्नकाल क दौरान कहला जे मल्टी फंक्शनल कॉम्प्लेक्स (एमएफसी) क लेल चयनित प्रत्येक स्टेशन पर लगभग 4 हजार वर्ग फीट या एक एकड़ जमीन क व्यवस्था कएल जाइत। हर कॉम्प्लेक्स पर 5 करोड़ स 8 करोड़ टका क लागत आबि कए संभावना अछि। पहिने चरण मे रामपुर हाट आ बर्धमान (पश्चिम बंगाल), अलपुझा (केरल), हमीरपुर (पश्चिम बंगाल), मदुरै (तमिलनाडु), हरिद्वार (उत्तराखंड), जम्मू (जम्मू व कश्मीर), उदयपुर (राजस्थान) क रेलवे स्टेशन परिसर मे इ कॉम्प्लेक्स विकसित कएल जाइत। एहि चरण मे मैसूर (कर्नाटक), इंदौर (मध्य प्रदेश), राजगीर आ दीघा (बिहार) क रेलवे स्टेशन परिसर मे सेहो एकरा विकास कएल जाइत। रेलमंत्री कहला जे इ स्टेशन कए अंतरराष्ट्रीय स्तर क मानक क आधार पर विकसित कएल जाइत। साफ-सफाई आ यात्री क सुविधा क खास ख्याल राखल जाइत।

मालूम हुए जे रेलवे क वित्तीय स्थिति मे सुधार क लेल गठित अमित मित्रा समिति रेलवे स्टेशन कए वाणिज्यिक आधार पर विकसित करबाक सुझाव देल गेल छल। समिति क ओहि सिफारिश कए लागू करै स रेलवे मे व्यावसायीकरण कए बढ़ावा मिलत। संग रेलवे क अतिरिक्त संसाधन जुटाबै क एकटा स्रोत सेहो भेटत। पूर्व रेलमंत्री लालू प्रसाद यादव सेहो किछु एहि तर्ज पर रेलवे स्टेशन कए विकसित करबाक योजना बनौने छलथि, मुदा ओ आगू होइत, एहि स पहिने रेलवे मे निजाम बदैल गेल। आब रेल मंत्रालय मित्रा समिति क सुझाव कए लागू करबाक प्रक्रिया शुरू करि देलक अछि।

डेढ़ सौ स बेसी दरोगा बनताह इंस्पेक्टर

पटना। सब इंस्पेक्टर स इंस्पेक्टर मे प्रोन्नति कए लेल पुलिस मुख्यालय क रोस्टर क्लीयरेंस भेट गेल अछि। एहि स डेढ़ सौ स बेसी दरोगा क इंस्पेक्टर पद पर प्रोन्नति क रास्ता साफ भ गेल अछि। डीजीपी आनंद शंकर कहला जे शीघ्र प्रोन्नति क अधिसूचना जारी कएल जाइत। पिछला किछु महीना स रोस्टर क्लीयरेंस नहि भेटला स इंस्पेक्टर मे प्रोन्नति देबाक मामला अटकल छल, जखन कि अन्य संवर्ग मे प्रोन्नति देबाक प्रक्रिया पूरा भ गेल। एहि मामला कए देखै वाला पुलिस मुख्यालय क अधिकारी अनुसार अगर सब किछु ठीक रहल त नवंबर मे प्रोन्नति क अधिसूचना जारी करि देल जाइत। इंस्पेक्टर मे प्रोन्नत होबै वाला पुलिस अफसर क पदस्थापन कए लेल पुलिस मुख्यालय अपन योजना लगभग तय करि देलक। प्रोन्नत अफसर क सूचना भेजल जा रहल अछि जे अगर ओ अपन पदस्थापना पुलिस एकेडमी मे चाहैत अछि त हुनका किछु अतिरिक्त राशि भत्ता क रूप मे भेटत। किछु प्रोन्नत अफसर क बीएमपी मे पदस्थापित कएल जाइत फील्ड मे रिक्ति क कम होबै क वजह स इंस्पेक्टर मे प्रोन्नत एसआई कम संख्या मे जिला मे भेजल जाइत।

Since 1935

Bihar Police

नालंदा विवि प्रोजेक्ट देश क लेल महत्वपूर्ण

पटना। प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह कहला अछि जे नालंदा अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय क स्थापना क प्रोजेक्ट केवल बिहार नहि,बल्कि पूरा देश क लेल महत्वपूर्ण अछि। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कए लिखल पत्र मे ओ कहला अछि जे केन्द्र सरकार एकर स्थापना मे हर संभव मदद करत। डॉ सिंह कहला अछि जे केन्द्र सरकार नालंदा विश्वविद्यालय क प्रोजेक्ट कए बहुत महत्व द रहल अछि। नोबल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन क अध्यक्षता मे बनल विश्वविद्यालय क मेंटर ग्रुप स एकर स्थापना क लेल आवश्यक गप क जानकारी लेबाक पश्चात 25 अक्टूबर कए ईस्ट एशिया समिट क सदस्य देश स हम गप केलहुं अछि। केन्द्र सरकार नालंदा अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय क स्थापना क लेल आवश्यक प्रशासनिक एवं कानूनी कदम उठा रहल अछि। विश्वविद्यालय क स्थापना मे मदद क लेल मुख्यमंत्री श्री कुमार प्रधानमंत्री कए किछु दिन पूर्व पत्र लिखने छलाह। प्रधानमंत्री एहि स पूर्व एशियान सम्मेलन मे सदस्य देश स एकर स्थापना क लकए गप केने छलाह।

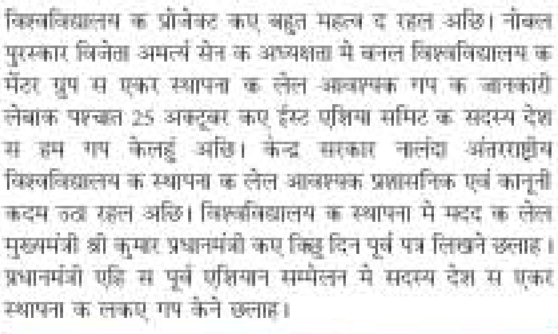

मैट्रिक आ इंटर क परीक्षा मार्च मे

पटना। बिहार बोर्ड क परीक्षार्थी क लेल खुशखबरी। होली बाद मार्च क पहिल सप्ताह स मैट्रिक आ दोसर सप्ताह स इंटर क परीक्षा शुरू होइत। 30 मई तक दूनू परीक्षा क नतीजा सेहो घोषित करि देल जाइत। इ जानकारी बिहार विद्यालय परीक्षा समिति क अध्यक्ष प्रो एकेपी यादव देलथि। ओ कहलथि जे एहि संबंध मे कार्यक्रम क ब्योरा विज्ञापन क माध्यम स समाचार पत्र मे विस्तार स प्रकाशित कराउल जाइत। ओ कहला जे बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा 15 दिसम्बर तक मैट्रिक आ इंटर परीक्षा संबंधी 'माडल पेपर' जारी कैल जाइत। एकरा लेल परीक्षार्थी एखन बाजार मे उपलब्ध फर्जी 'सेंपुल पेपर' क्रय नहि करथि।

63 पृष्ठ क पुस्तिका जारी करैत राजद प्रदेश अध्यक्ष अब्दुलबारी सिद्दीकी मुख्यमंत्री क विकास यात्रा कए विनाश यात्रा क संज्ञा देलथि। हुनकर अनुसारे इ नीतीश सरकार क विरुद्ध जनता क आरोप पत्र अछि। आरोप पत्र मे विभागवार कुल अंक आ प्राप्तांक देल गेल अछि। हजार अंक मे 300 उत्तीर्णांक क विरुद्ध 80 अंक द कए सरकार कए फेल घोषित कैल गेल अछि।

अंक पत्र क अनुसार ग्रामीण विकास मे कुल अंक 100 मे 15, अपराध नियंत्रण आ विधि व्यवस्था मे 15, भूमि सुधार मे 00, पथ निर्माण मे 20, स्वास्थ्य मे 10, बिजली मे 05, अल्पसंख्यक, अनु.जाति आ जनजाति कल्याण मे 05, कृषि आ सिंचाई मे 05, शिक्षा मे 05 आ निवेश आओर औद्योगिकीकरण मे 00 अंक देल गेल अछि। प्रदेश अध्यक्ष क अनुसार नीतीश सरकार क सबस पैघ गुनाह अछि जे ओ आम आदमी स सरकार क संबंध समाप्त करि देलथि। हुनकर अनुसार राज्य मे प्राक्कलन घोटाला एखन तकक सबस पैघ घोटाला अछि। ओ दावा केलथि जे इ आरोप पत्र तथ्य,आंकड़ा, वेबसाइट आ विभिन्न सर्वे क आधार पर तैयार कैल गेल अछि। राजद द्वारा जारी आरोप पत्र क अनुसार लालू प्रसाद आ राबड़ी देवी क शासनकाल मे जहि तबका कए मान सम्मान भेटल, राजकाज मे भागीदारी देल गेल, ओकरा आइ अपमानित,प्रताड़ित आ अधिकार स वंचित कैल जा रहल अछि।

पत्रक अनुसार राज्य सरकार क केन्द्रीय कर पर निर्भरता बढ़ल अछि आ राज्य क अपन आमदनी ओहि अनुपात मे नहि बढ़ल जेना प्रचारित कैल जा रहल अछि। एकरा लेल राजद शासन क अंतिम वर्ष 2004-05 क उदाहरण दैत कहल गेल जे राज्य कुल धन प्राप्ति क 27 प्रतिशत हिस्सा अपन आंतरिक संसाधन स प्राप्त करैत छल। एकर विपरीत एनडीए सरकार क सत्ता मे एला पर राज्य सरकार क आंतरिक कर घटै लगा आ 2009-10 मे 24 प्रतिशत रहल अछि।

बिहार आब पहिने सन नहि रहल : नीतीश

पटना। हिन्दी मे एकटा शायर कहने छथि, माना कि हाथ मेरे, आया ना कुछ पवन मे, आसमान छूने की कोशिश तो मैंने की है। पिछला चारि साल मे बिहार केतबा बदलल एहि पर विवाद भ सकैत अछि, मुदा इ त सब मानैत अछि जे बिहार कए बदलबाक कोशिश कैल गेल अछि। 1, अणे मार्ग मे खटाल क स्थान पर बन हर्बल गार्डन क बीच मे एकटा फूस क मड़ई मे जाड़क रौद सेंक रहल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लेल इ उपलब्धि काफी अछि। अपन चारि सालक कार्यकाल स ओ काफी हद तक संतुष्ट लागि रहल छथि। मुख्यमंत्री कहैत छथि -इतिहास मे कोई इ नहि देखत जे के केतबा साल शासन केलक। बल्कि देखल इ जाइत जे के केहन काज केलक। शेरशाह त महज चारि साल शासन केलथि। मुदा इतिहास हुनका एखनो याद करैत अछि। चारि साल मे समाज मे शांति आ सांप्रदायिक सौहार्द क वातावरण बनल रहल, की इ कम अछि? माहौल बदलि गेल इ की अजूबा नहि अछि? एकटा एहन प्रदेश जे सब मायने मे पिछड़ल छल। ओकरा लेल चारि साल क समय कोनो बहुत लंबा समय नहि होइत अछि। मुदा जेतबा किछु काज शुरू कैल गेल अछि ओकर बैकग्राउंड मे पाछु मुड़िकए देखबा पर आश्चर्य होइत अछि। विरासत मे जे आधारभूत संरचना भेटल छल ओकरा देख सचमुच ताज्जुब होइत अछि। कोना इतबा काज भ गेल।

नीतीश कहैत छथि- देखू, बिहार कए एकटा फेल्ड स्टेट मानल जाइत छल। आइ बिहार एकटा सक्सेस स्टोरी अछि। इ हम नहि कहि रहल छी। इ नोबल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन, लार्ड मेघनाद देसाई संग-संग योजना आयोग क उपाध्यक्ष मोंटेक सिंह आहलूवालिया तक स्वीकार करि रहल छथि। बिहार कए विशेष राज्य क दर्जा देबाक सवाल पर भले ओ सहमत नहि छथि, मुदा इ त ओ सेहो मानि लहल छथि जे बिहार क ग्रोथ रेट राष्ट्रीय औसत स बेसी अछि। दिल्ली आ मुम्बई मे प्रापर्टी क दाम घटि रहल अछि जखन कि बिहार मे बढ़ि रहल अछि। आखिर इ की साबित करैत?

मुख्यमंत्री कहैत छथि, चारि साल पहिने की स्थिति छल इ ककरो स नुकायल नहि अछि। लोग डर स सांझ खन स घर मे बंद भ जाइत छल। आइ कम स कम लोक क मन स डर निकलि गेल अछि। एहन कोनो समाज नहि अछि जाहि मे अपराध नहि होइत अछि। इ समाज क नियति अछि। मुदा आब त कोई इ सोचि कए महंग गाड़ी खरीदबा स नहि डरैत अछि जे कियो छीन लेत। समाज मे तनाव क जे माहौल छल ओ पिछला चारि साल मे समाप्त भ गेल अछि। अहां देखू... पहिने भाजपा स गठबंधन कए ल कए अल्पसंख्यक भाई कए डराउल जाइत छल। सामाजिक आ सांप्रदायिक सौहार्द क माहौल बनाकए हम सबहक लेल विकास क बाट खोलबाक प्रयास केलहुं अछि।

विशेष राज्य क दर्जा ज्यों द देल गेल त राजनीतिक स्थिरता, कानून व्यवस्था, कृषि उत्पादन क वजह स नहि जानि केतबा उद्योग एहि ठाम लागि जाइत। ओना एखन कृषि क्षेत्र मे छोट-छोट निवेश भ रहल अछि। हां, पैघ निवेश मे दिक्कत अछि। कृषि पर आधारित अर्थव्यवस्था वाला बिहार मे इथनाल- चीनी आ बिजली एहन सेक्टर छल जाहि मे पैघ निवेश भ सकैत छल। दूनू मामला मे केन्द्र क अड़ंगाबाजी क कारण निवेश नहि भ सकल। इ एहन क्षेत्र रहल जतय चारि-पांच साल मे सफलता संभवो नहि अछि। हां, ट्रांसमिशन लाइन मे सुधार करि लोक क घर तक बिजली पहुंचेबा मे हम कामयाब रहलहुं। मुदा बिजली उत्पादन बढ़ेबा मे हमरा सफलता नहि भेटल। जखन हम अपन पावर प्लांट लगेबा लेल सोचलहुं त इंटरनेशनल ट्रीटी क नाम पर हमरा गंगा बेसिन स पाइन लेबा स रोकल जा रहल अछि। इ कोनो गप भेल? गंगा क बाढ़ि हम झेली, बालू क बोझ हम उठाबी आ जखन अपन पावर प्लांट क लेल एकर पाइन काज भेल त एकर इजाजत नहि। रिपेरियन स्टेट क कंपनसेशन अछि, मुदा एहि मामला मे जे अधिकार अछि ओ सेहो नहि देल जा रहल अछि।

नीतीश कहैत छथि जे केन्द्र स सहयोग भेटल रहितय त हालात किछु आओर होइते। बिहार कए विशेष राज्य क दर्जा क मांग कए लकए प्रधानमंत्री स समय मंगलहुं। आइ धरि नहि भेटल। हर पंचायत मे हम इ मामला उठेलहुं। हमर सुनल नहि गेल। 2007 क बाढ़ि क विपदा हम झेललहुं। 2008 मे कोसी क विपदा क सामना केलहुं। लाखों लोक आइ सेहो बेघर अछि। मुदा पुनर्वास क नाम पर फूटी कौड़ी तक नहि भेटल। हम मांगैत रहलहुं हमरा किछु नहि भेटल आ बुंदेलखंड कए बिना मांगने बहुत किछु भेंट गेल। मुदा हम सेहो हारि मानै वाला नहि छी। विशेष राज्य क दर्जा क हमर मांग मानल नहि गेल त हम जनांदोलन करब। कांग्रेस क एहि व्यवहार पर नीतीश कहैत छथि जे ओ चाहैत अछि जे हम फेल भ जाइ। मुदा एहन करि कए केन्द्र बिहार क संग अन्याय करि रहल अछि।

लैंड रिफार्म पर सरकारक दुविधा पर मुख्यमंत्री कहला जे हम त किछु कहलहुं नहि। केलहुं नहि। हां, लालू जी लोक कए जरूर फोन करि करिकए भरमेलाह। देखू एकटा गप साफ अछि। लैंड रिफार्म क मतलब बटाईदारी नहि अछि। हम भूमि सुधार आयोग बनेलहुं। ओ रिपोर्ट देलक। चकबंदी, दाखिल-खारिज आ भूदान जइसन मुद्दा जाहि पर सहमति बनि गेल ओकरा हम लागू करब। आयोग क जाहि अनुशंसा पर सहमति नहि बनल ओकरा लेल एकटा कमेटी बना देल गेल अछि। मुख्यमंत्री कहला- आब बिहार क आबादी दस करोड़ स बेसी भ गेल अछि। जमीन क होल्डिंग क स्वरूप बदलि रहल अछि। बंटाईदारी क कोनो मामला नहि अछि। दरअसल विरोधी खासकए लालू प्रसाद एकरा एजेंडा सेट करबा मे लागल छथि। एहि भ्रम कए दूर करबाक सवाल पर नीतीश जोरदार ठहाका लगा कहैत छथि- 1986 मे बनल कानून जे आइ लागू अछि ओहि मे इ प्रावधान अछि जे कोनो बटाईदार जमीन मालिक क हिस्सा क 24 गुना राशि जमा कए दैत अछि त जमीन ओकर भ जाइत। इ भ्रम क स्थिति कए दूर करबाक कोनो आवश्यकता नहि अछि। जखन लोक कए सच्चाई क पता चलत भ्रम क स्थिति अपने आप दूर भ जाइत।

महादलित सवाल पर नीतीश कहब छल जे अनुसूचित जाति क लिस्ट मे कोई छेड़छाड़ नहि करि सकैत अछि। जे प्रचार भरल अछि ओ बेबुनियाद अछि। मुदा समाज क वंचित तबका कए ऊपर उठेबाक अधिकार त सरकार कए अछि। रविदास कए महादलित मे शामिल करबा पर हंगामा भ रहल अछि। हम त आयोग कए दुसाध जाति क उत्थान क लेल कौन कार्यक्रम चला सकैत छी एहि पर रिपोर्ट देबा लेल कहलहुं अछि इ त किछु लाभ अछि जे सरकार समाज क अंतिम पायदान पर ठार लोक कए मुख्यधारा मे अनबा लेल द रहल अछि। विपक्ष कही रहल अछि जे हम समाज कए तोड़ि रहल छी। इ की गप भेल जे जाहि जातिवाद स बिहार उबरि रहल अछि ओकरा फेर स ओहि जातिवाद मे धकेलल जाए। मुख्यमंत्री कहला जे महादलित शब्द हमर गढ़ल नहि छी। आब कोई एकरा गारि बुझए त इ ओकर बुद्धि क बलिहारी छी।

बेलगाम भ्रष्टाचार पर मुख्यमंत्री कहब अछि जे, देखू जखन धरि भ्रष्टाचारी क नाजायज तरीका स अर्जित संपत्ति कए जब्त नहि कैल जाइत। एहि पर अंकुश नहि लागि सकैत अछि। एकरा लेल हम एकटा कानून बनाकए केन्द्र क मंजूरी लेल पठेने छी। साल भरि भ गेल केन्द्र स मंजूरी नहि भेटल अछि। इ कानून पास भ जाइत त कम स कम आइ जे भ्रष्टाचार स कई-कई मकान बना लेने छथि ओहि मे स्कूल खोल कए बच्च क पढ़बाक सरकार व्यवस्था करि सकैत अछि।

आ अंत मे नक्सलवाद पर चर्चा करैत नीतीश कुमार कहलथि जे आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम कए ठीक स चलाउ। सब ठीक भ जाइत। गृहमंत्री चिदंबरम क चिंता पर मुख्यमंत्री कहैत छथि केन्द्र कए नक्सल समस्या पर स्टैंड साफ करबाक चाही। इ नहि जे एक दिन ज्वाइंट ऑपरेशन क गप आ दोसर दिन एहि समस्या स निबटब राज्य सरकार क जिम्मेदारी।

हमर एजेंडा बदलै वाला नहि अछि। हम अपन काज करैत जाइब। एक साल रहि गेल अछि। चारि साल मे हम जे किछु केलहुं ओकरा स लोक खुश अछि। ग्रामीण सड़क पर जे काज भ रहल अछि, महिला सशक्तीकरण या मानव संसाधन विकास या सोशल सेक्टर मे जे किछु काज शुरू भेल अछि ओकरा लोक पूरा होइत देखताह।

> इतिहास मे कोई इ नहि देखत जे के केतबा साल शासन केलक। बल्कि देखल इ जाइत जे के केहन काज केलक। शेरशाह त महज चारि साल शासन केलथि। मुदा इतिहास हुनका एखनो याद करैत अछि। चारि साल मे समाज मे शांति आ सांप्रदायिक सौहार्द क वातावरण बनल रहल, की इ कम अछि? माहौल बदलि गेल इ की अजूबा नहि अछि? एकटा एहन प्रदेश जे सब मायने मे पिछड़ल छल। ओकरा लेल चारि साल क समय कोनो बहुत लंबा समय नहि होइत अछि। मुदा जेतबा किछु काज शुरू कैल गेल अछि ओकर बैकग्राउंड मे पाछु मुड़िकए देखबा पर आश्चर्य होइत अछि। विरासत मे जे आधारभूत संरचना भेटल छल ओकरा देख सचमुच ताज्जुब होइत अछि। कोना इतबा काज भ गेल

अंक- 30, साल- 2, समाद प्रकाशन क लेल esamaad.com स इंटरनेट संस्करण प्रकाशित। प्रबंधक : छवि झा, संपादक : कुमुद सिंह, समाचार संपादक : प्रीतिलता मल्लिक, फोटो संपादक सारिका झा। (खबरक चयन लेल जिम्मेदार)। फोन : 09250281098, ई-मेल : esamaad@gmail.com